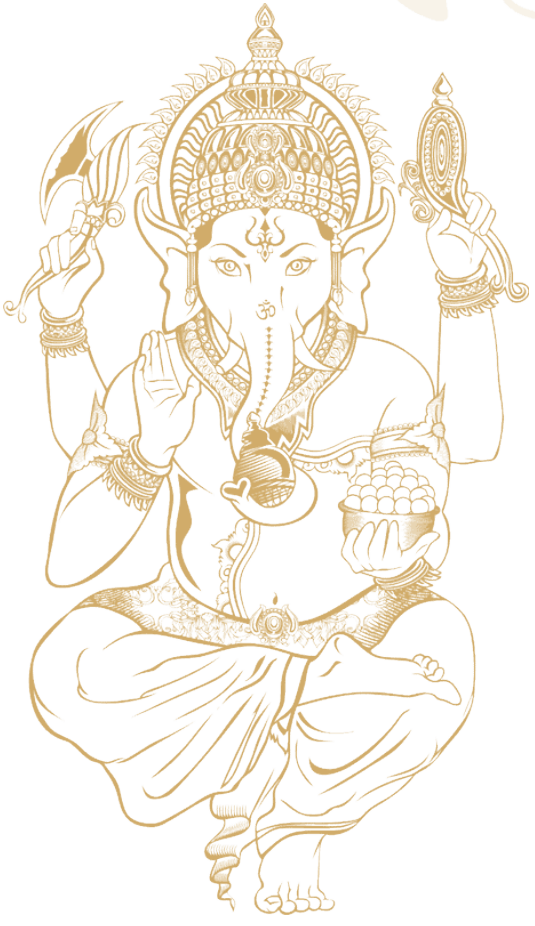

Naga satya vani

09 Nov 1975

01:10 AM

Narasapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121849803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**8-09/11/1975**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:10:00 घंटे**
इष्ट	47:46:03 घटी
स्थान	**Narasapur**
राज्य	Andhra Pradesh
देश	India

अक्षांश	16:27:00 उत्तर
रेखांश	81:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:03:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:06:40 घंटे
वेलान्तर	00:16:19 घंटे
साम्पातिक काल	04:16:08 घंटे
सूर्योदय	06:03:34 घंटे
सूर्यास्त	17:30:32 घंटे
दिनमान	11:26:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	22:15:22 तुला
लग्न के अंश	11:33:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:33:24	342:09:05	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	22:15:22	01:00:16	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	नीच राशि
चंद्र			धनु	29:57:47	12:46:57	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
मंगल	व		मिथु	09:06:11	00:02:00	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	10:24:11	01:36:44	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	22:54:11	00:06:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			कन्या	05:42:16	01:00:57	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि			कर्क	09:25:08	00:00:41	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			तुला	28:16:54	00:00:53	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			मेष	28:16:54	00:00:53	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			तुला	10:06:31	00:03:43	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
नेप			वृश्चि	17:03:11	00:02:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	16:58:17	00:02:00	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
दशम भाव			वृष	12:24:13	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:24

लग्न-चलित

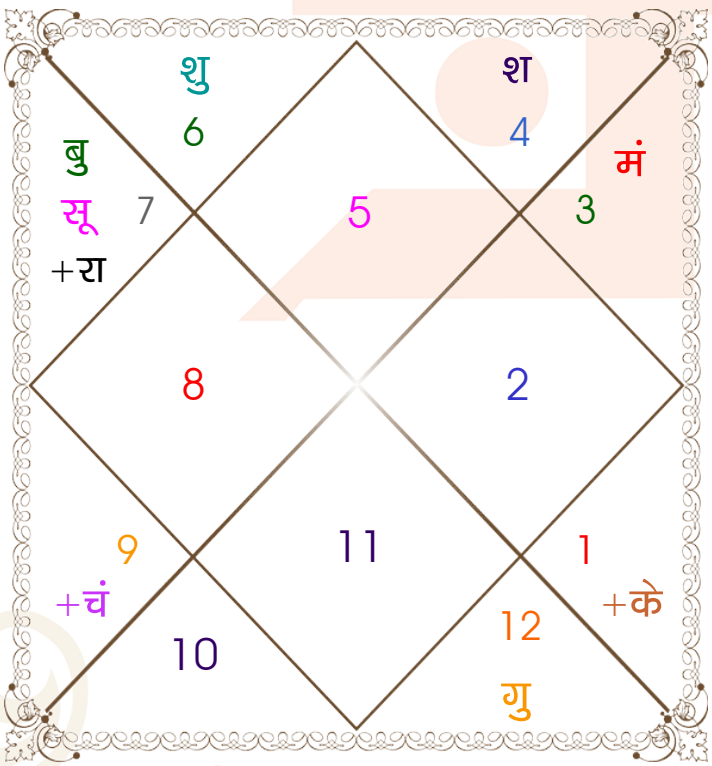

चन्द्र कुंडली

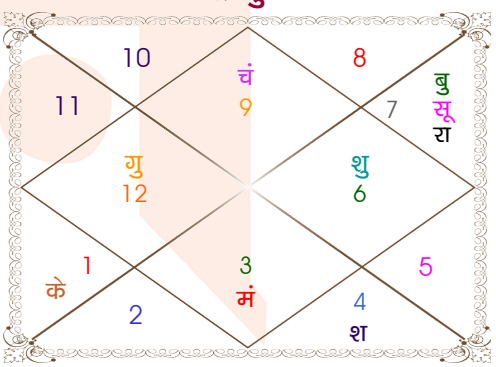

नवमांश कुंडली

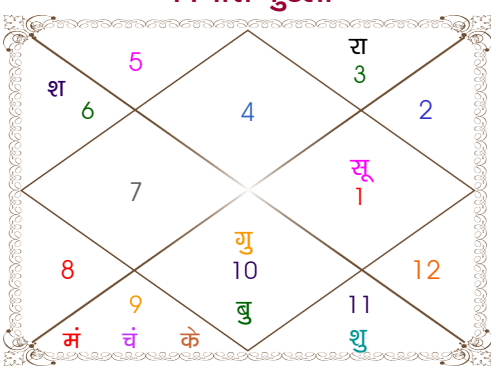

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 6 मास 6 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/11/1975		15/05/1980		16/05/1990		15/05/1997		16/05/2015	
15/05/1980		16/05/1990		15/05/1997		16/05/2015		16/05/2031	
	00/00/0000	चंद्र	16/03/1981	मंगल	12/10/1990	राहु	27/01/2000	गुरु	03/07/2017
	00/00/0000	मंगल	15/10/1981	राहु	30/10/1991	गुरु	21/06/2002	शनि	14/01/2020
	09/11/1975	राहु	16/04/1983	गुरु	05/10/1992	शनि	27/04/2005	बुध	21/04/2022
राहु	03/06/1976	गुरु	15/08/1984	शनि	14/11/1993	बुध	15/11/2007	केतु	28/03/2023
गुरु	22/03/1977	शनि	16/03/1986	बुध	11/11/1994	केतु	02/12/2008	शुक्र	26/11/2025
शनि	04/03/1978	बुध	15/08/1987	केतु	09/04/1995	शुक्र	03/12/2011	सूर्य	14/09/2026
बुध	08/01/1979	केतु	15/03/1988	शुक्र	09/06/1996	सूर्य	27/10/2012	चंद्र	14/01/2028
केतु	16/05/1979	शुक्र	14/11/1989	सूर्य	14/10/1996	चंद्र	27/04/2014	मंगल	20/12/2028
शुक्र	15/05/1980	सूर्य	16/05/1990	चंद्र	15/05/1997	मंगल	16/05/2015	राहु	16/05/2031

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/05/2031		16/05/2050		16/05/2067		16/05/2074		16/05/2094	
16/05/2050		16/05/2067		16/05/2074		16/05/2094		00/00/0000	
शनि	19/05/2034	बुध	11/10/2052	केतु	12/10/2067	शुक्र	14/09/2077	सूर्य	02/09/2094
बुध	26/01/2037	केतु	09/10/2053	शुक्र	11/12/2068	सूर्य	14/09/2078	चंद्र	04/03/2095
केतु	07/03/2038	शुक्र	08/08/2056	सूर्य	18/04/2069	चंद्र	15/05/2080	मंगल	10/07/2095
शुक्र	06/05/2041	सूर्य	15/06/2057	चंद्र	17/11/2069	मंगल	15/07/2081	राहु	09/11/2095
सूर्य	18/04/2042	चंद्र	14/11/2058	मंगल	15/04/2070	राहु	15/07/2084		00/00/0000
चंद्र	18/11/2043	मंगल	12/11/2059	राहु	04/05/2071	गुरु	16/03/2087		00/00/0000
मंगल	26/12/2044	राहु	31/05/2062	गुरु	09/04/2072	शनि	16/05/2090		00/00/0000
राहु	02/11/2047	गुरु	05/09/2064	शनि	19/05/2073	बुध	16/03/2093		00/00/0000
गुरु	16/05/2050	शनि	16/05/2067	बुध	16/05/2074	केतु	16/05/2094		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 6 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।